

1 Peter 1:22 - 2:3

| | | | |
|-----|-------|----------------------|-----------------|
| 22a | | ἡγνικότες | Τὰς ψυχὰς ὑμῶν |
| | | ἐν τῇ ὑπακοῇ | |
| | | τῆς ἀληθείας | |
| | | εἰς φιλαδελφίαν | |
| | | ἀνυπόκριτον, | |
| b | | ἀγαπήσατε | ἀλλήλους |
| | | ἐκ [καθαρᾶς] καρδίας | |
| | | ἐκτενῶς | |
| 23a | | ἀναγεγεννημένοι | |
| b | οὐκ | ἐκ σπορᾶς | |
| | | φθαρτῆς | |
| c | ἀλλὰ | (ἀναγεγεννημένοι) | |
| | | (ἐκ σπορας) | |
| | | ἀφθάρτου | |
| | | διὰ λόγου | |
| | | θεοῦ | |
| | | ζῶντος | |
| | | καὶ μένοντος. | |
| 24a | διότι | σὰρξ | |
| | | πᾶσα | |
| b | ὡς | χόρτος | |
| c | καὶ | δόξα | |
| | | πᾶσα αὐτῆς | |
| d | ὡς | ἄνθος | |
| | | χόρτου· | |
| e | | ὁ χόρτος | ἐξηράνθη |
| f | καὶ | τὸ ἄνθος | ἐξέπεσεν· |
| 25a | δὲ | τὸ ῥῆμα | μένει |
| | | κυρίου | εἰς τὸν αἰῶνα. |
| b | δέ | τοῦτο | ἐστίν |
| | | | τὸ ῥῆμα |
| | | | τὸ εὐαγγελισθῆν |
| | | | εἰς ὑμᾶς. |

| | | | | |
|----|-----|----------------------|-------------------------------------|---|
| 1 | οὖν | Ἀποθέμενοι | καὶ καὶ καὶ καὶ | πάσαν κακίαν πάντα δόλον ὑποκρίσεις φθόνους πάσας καταλαλιάς, |
| 2a | ὥς | βρέφη ἀρτιγέννητα | | |
| | | b | ἐπιποθήσατε | γάλα τὸ λογικὸν ἄδολον |
| | | c | αὐξηθῆτε ἐν αὐτῷ εἰς σωτηρίαν | |
| 3a | εἰ | ἐγεύσασθε | ὅτι | χρηστὸς ὁ κύριος. |
| | | b | | |